NCERT SOLUTIONS

CLASS - 8TH

aglasem.com

Class : 8th

Subject : हिन्दी

Chapter : 2

Chapter Name : अभिनिष्क्रमण

Q1 सिद्धार्थ को निर्वाण के विषय में पहली प्रेरणा किस प्रकार मिली?

Answer.सिद्धार्थ को निर्वाण के विषय में पहली प्रेरणा उनके वन-भ्रमण के दौरान मिली|जब वह वन के भ्रमण पर थे तब अचानक उन्हें एक भिक्षु के रूप में पुरुष दिखाई दिया| सिद्धार्थ के पूछे जाने पर कि वह कौन है भिक्षु ने उत्तर दिया कि मैं मोक्ष की खोज में निकला एक सन्यासी हूँ| मेरे अंदर अब सबके लिए एक भाव है, मुझे अब ना तो किसी से कोई आशा है ना ही कोई शिकायत है| मैं गृहस्थ जीवन त्याग,वन में ही विचरण करता हूँ| वन में जो मिल जाए वही खाकर पेड़ के नीचे,देवालय, पर्वत आदि पर रहकर जीवन व्यतीत करता हूँ|

Page : 38 , Block Name : प्रश्न

Q2 राजकुमार ने तपोवन ना जाने के लिए राजा के समक्ष क्या क्या शर्तें रखीं?

Answer. राजकुमार ने तपोवन ना जाने के लिए राजा के समक्ष कुछ असंभव शर्तें रखी थी जो कि निम्नलिखित हैं-

1.मेरी मृत्यु ना हो,

2.मैं सदा रोगमुक्त रहूँ,

3.मुझे कभी बुढ़ापा ना आए और

4.मेरी संपत्ति सदा बनी रहे|

Page : 38 , Block Name : प्रश्न

Q3 छंदक कौन था?सिद्धार्थ ने उसे नींद से क्यों जगाया?

Answer. छंदक घोड़ों का देखभाल करने वाला अथवा अश्ववरक्षक था| सिद्धार्थ ने छंदक को नींद से इसलिए जगाया क्योंकि उन्हें गृहस्थ जीवन त्याग कर मोक्ष की प्राप्ति के लिए वन जाना था| सिद्धार्थ को छंदक पर पूरा विश्वास था कि वह उनसे बिना कुछ सवाल किए उनकी आज्ञा का पालन करेगा, और छंदक ने भी निस्वार्थ भाव से सिद्धार्थ की आज्ञा का पालन किया|

Page : 39 , Block Name : प्रश्न

Q4 सिद्धार्थ से अलग होने पर छंदक और कंथक की दशा का वर्णन अपने शब्दों में कीजिए?

aglasem.com

Answer. सिद्धार्थ से अलग होने पर छंदक और कंथक बड़े ही दुःखी और व्याकुल थे, कन्थक की आंखों से भी आँसू आ रहे था| दोनों विरह के शोक में अत्यंत दुःखी थे| जो रास्ता छंदक ने सिद्धार्थ को वन ले जाने के वक्त एक रात में पूरा किया था उसी रास्ते पर वापस राजमहल जाने में छंदक को आठ दिन लग गये| कंथक ने भी सिद्धार्थ से विरह के गम में अन्न-पानी तक त्याग दिया| अपने स्वामी से अलग हो छंदक कुछ देर के लिए भूमि पर अचेत अवस्था में गिर पड़ा, फिर होश आने पर कंथक से लिपट कर रोने लगा और कपिलवस्तु के लिए निकल पड़ा| रास्ते में कभी गिरता, कभी रोता फिर उठता और आगे बढ़ता, यह रास्ता उन दोनों के लिए एक नामुमकिन सा रास्ता बन गया था|

Page : 39 , Block Name : प्रश्न

Q5 तपोवन में सिद्धार्थ ने तपस्वियों को क्या करने के लिए कहा?

Answer. तपोवन में सिद्धार्थ ने तपस्वियों से कहा कि आप सबका धर्म स्वर्ग के लिए है और मेरी इच्छा मोक्ष की है, इसलिए मेरा इस जगह पर कुछ काम नहीं है| मुझे भी आप सब लोगों से बिछड़ते हुए बहुत दुःख हो रहा है, परंतु मेरा यहाँ से जाना जरूरी है| आप लोग धर्म के प्रतिष्ठित लोग हैं,अनेक कठिन तप और साधनाओं के ज्ञानी है| आप लोग इसी प्रकार धर्म के मार्ग पर चलें|

Page : 39 , Block Name : प्रश्न

Q6 वन से लौटने के संबंध में राज मंत्री के तर्क सुनकर सिद्धार्थ ने क्या कहा?

Answer. जब राज मंत्री ने सिद्धार्थ से धर्म के नाम पर वन से घर लौट जाने को कहा, साथ ही साथ भगवान राम और शाल्व के उदाहरण भी दिये तो सिद्धार्थ ने साफ-साफ कहा की उन्हें सुनी-सुनाई बातों पर बिल्कुल यकीन नहीं है| वह उन्हीं बातों पर विश्वास करते हैं जो उन्होंने अनुभव की हैं। और जो वह अपने तप से प्राप्त करेंगे| वह जलती हुई अग्नि में प्रवेश कर सकते हैं पर बिना ज्ञान की प्राप्ति किए घर वापस नहीं जा सकते| ऐसा करना उनके हिसाब से उचित नहीं है| सिद्धार्थ ने कहा कि उन्हें अपनी तपस्या और शांति से जो तत्व-ज्ञान मिलेगा वह उसे ही सत्य मानेंगे, बाकी उदाहरण उनके लिए नाम-मात्र हैं|

Page : 39 , Block Name : प्रश्न

Q7 बिंबसार ने सिद्धार्थ की सहायता के लिए क्या प्रस्ताव रखा?

उत्तर 7. सिद्धार्थ को भिक्षा मांगते हुए देखकर बिंबसार को दया आ गई और उन्होंने सिद्धार्थ से कहा कि, हे! राजकुमार आप मेरा आधा राज्य ले लीजिए और सुख भोगिये| आप चाहे तो मेरे सैनिकों की सहायता से शत्रुओं पर आक्रमण करिए और उन पर विजय पाइये| अगर आपकी इच्छा है तो आप त्रिवर्ग (धर्म, अर्थ और काम) का सेवन करिए, पर अपने धनुष चलाने वाले बाजुओं को भिक्षा मांगने में व्यर्थ ना करें और अपने उम्र के अनुसार ही मार्ग चुनें|

Page : 39 , Block Name : प्रश्न